□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□ज□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख□□: 1209
02 □□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□□प्रश□ □□ □त्त□

कसर के मरीजों को पूणतः सटीक उपचार प्रदान □□□□

1209. श्री संजय सिंहः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री □□ □□□□□□ो □□□ □□□ि□□

(□) क□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ अध्ययन से अवगत है जो बताता है कि वष 2040 □□ □□□□ □□ 7300 □□□ □□□□□ज्ञों □ो □□श□□□□ □□□□;

(□) क□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □ि कि 83 प्रतिशत कसर □□□□□ों □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ नहीं मिलता है और 15 प्रतिशत मरीजों □□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□

(□) □ि□ □□, तो भारत म चिकित्सा व्यवस्था म व्याप्त खाइयों और विसंगतियों को दूर करने के □□□ सरकार को क्या योजना है?

□त्त□

स्वास्थ्य और परिवार □ल□□□ □□ज□ □त्री (श्र□ □□श्वि□□ □□□□ □□□)

(□) □□(□): □□, 2019 □ □□सेट ऑकोलॉजी म प्रकाशित एक अध्ययन म यह सुझाव दिया गया है कि भारत को वष 2040 तक 7352 कसर चिकित्सकों को आवश्यकता होगी।

□□ □□□□ □□□□-onco.com, □□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ने 6 महीनों म □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□ 365 □□□□□ों के साथ किए गए एक अध्ययन म □□□□ □□□ि □□ □□□ 17% रोगी अंतराष्ट्रीय उपचार दिशा-निदशों के आधार पर उचित उपचार ले रहे ह और □□ष□□ □□□□□□ कि भारतीय रोगियों को बहु-विषयक ट्यूमर बोर्डों तक पहुँच नहीं होती। □□ □□□ों □□ □□□ □□त□ □□ों हो सकता क्योंकि इस अध्ययन म विभिन्न कमियां है जिनम स्पष्ट रूप से कायपद्धति का उल्लेख न करना, □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ों □□ □□□□□ □□□□ □□□ कॉम्परेटर के रूप म उन अंतराष्ट्रीय दिशा-□□□□ों □□ उपयोग करना शामिल है जोकि भारतीय संदभ म उपयुक्त नहीं ह। इस अध्ययन को किसी वैज्ञानिक अथवा □□□□ रिव्यू□ जनल म भी प्रकाशित नहीं किया गया था।

सरकारी स्वास्थ्य परिचया प्रणाली म विभिन्न स्तरों पर कसर को डायग्नोज़ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□.□□. (□□□□□ □□□□□□□□), □□□□□□ (□□□□□ □□□□□□□□) □□□ □□□□ (□□□□□□

ऑकोलॉजी) के चिकित्सक उच्चतर स्तर के तृतीयक परिचया अस्पतालों म कसर रोगियों का उपचार कर रहे ह, फिर भी कसर का उपचार कसर के प्रकार अथवा इसके स[illegible] हु[illegible], [illegible]स[illegible], ईएनटी सजन आदि जैसे अन्य चिकित्सकों द्वारा अस्पतालों म भी किया जा रहा है।

[illegible], [illegible], [illegible] [illegible]-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों तथा [illegible] व्य[illegible] पाठ्यक्रम म सीटों को संख्या म वृद्धि करने के लिए, स्नातकोत्तर शिक्षकों को संख्या [illegible] दाखिला किए गए विद्यार्थियों को संख्या [illegible] प्र[illegible] क्षि[illegible] 6 [illegible] प्र[illegible] ो [illegible], [illegible] प्रो[illegible] 1:3 [illegible] इसके अलावा विद्यार्थियों को तुलना म शिक्षकों के अनुपात म भी सभी एमडी/एमएस विषयों के लिए 1:1 से संशो[illegible] 1:2 [illegible] ल[illegible] को कमी को ध्यान म रखते हुए [illegible]ल[illegible] के तौर पर नियुक्ति हेतु डीएनबी अहता को मान्यता दी [illegible]

जिला स्तर पर कायकलापों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता के लिए भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतगत राष्ट्रीय कसर, [illegible], हृ[illegible] नियंत्रण कायक्रम (एनपीसीडीसीएस) [illegible] कायान्वित कर रही है। इस कायक्रम के [illegible]ों ([illegible], [illegible]क्ष [illegible]) पर ध्यान कद्रित [illegible]

[illegible], व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचया के एक भाग के तौर पर एनएचएम के अंतगत देश के 215 से [illegible]ों ([illegible], [illegible]: [illegible], [illegible]क्ष [illegible]गभाशय कसर) [illegible], नियंत्रण एवं जांच के लिए एक जनसंख्या स्तरीय पहल शुरू को गई है।

देश के विभिन्न भागों म स्टेट कसर इनस्टीट्यूट (एससीआई) तथा तृतीयक परिचया कसर कद्र (टीसीसीसी) को स[illegible]/प्र[illegible]स[illegible] [illegible]रत सरकार एनपीसीडीसीएस के अंतगत तृतीयक परिचया [illegible]ओं [illegible] का कायान्वयन कर रही है। ऑनकोलॉजी [illegible]न्न [illegible]ओं म [illegible] एम्स तथा प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अंतगत अनेक उन्नयन किए गए [illegible]स[illegible]ों [illegible]ज्ज[illegible] ([illegible]), म एक राष्ट्रीय कसर संस्थान तथा कोलकाता म चितरंजन राष्ट्रीय कसर संस्थान के दूसरे परिसर को स्थापना का भी अनुमोदन किया गया है। इन सभी से देश म कसर को रोकथाम और उपचार के लिए क्षमता म वृद्धि होगी।

******